पाठ्यक्रम

लोक प्रशासन पेपर - 2

1. भारतीय लोक प्रशासन का उद्भव और विकास:

कौटिल्य, ब्रिटिश विरासत, संवैधानिक ढांचा, संसदीय लोकतंत्र और संघवाद, भारतीय प्रशासन की मुख्य विशेषताएं।

2. संघ सरकार और प्रशासन:

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद, केंद्रीय सचिवालय, कैबिनेट सचिवालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, कैबिनेट समितियां, (आईआरडीए) बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण, (ट्राई) भारतीय दूरसंचार नियमितता प्राधिकरण संघ-राज्य संबंध- विधायी, प्रशासनिक और वित्तीय।

3. राज्य प्रशासन:

राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद, मुख्य सचिव, राज्य सचिवालय, निदेशालय और क्षेत्रीय संगठन। संभागीय आयुक्त, जिला कलेक्टर की भूमिका, राजस्व प्रशासन, कानून और व्यवस्था प्रशासन, विकास प्रशासन।

4. स्थानीय स्वशासन- शहरी और ग्रामीण:

अर्थ, विकास और प्रगति, 73वें और 74वें संविधान संशोधन अधिनियमों की विशेषताएं, शहरी और ग्रामीण स्थानीय निकायों का संगठन और कार्य, आधुनिक समय में प्रमुख चुनौतियां और भूमिका।

5. कार्मिक प्रशासन:

सिविल सेवाओं की विशेषताएं और संवैधानिक ढांचा, वर्गीकरण भर्ती, प्रशिक्षण, पदोन्नति और क्षमता निर्माण, आचरण और अनुशासन, तटस्थता और गुमनामी। प्रतिबद्धता, व्यावसायिक संघ और संघवाद। भारतीय सिविल सेवाओं का वर्गीकरण, भर्ती, भर्ती एजेंसियां- यू.पी.एस.सी.

6. वित्तीय प्रशासन:

बजट की तैयारी, अधिनियमन और निष्पादन, संसदीय समितियां, वित्त पर संसदीय नियंत्रण, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, वित्त मंत्रालय की भूमिका। मौद्रिक और राजकोषीय नीतियां, सार्वजनिक, उधार और सार्वजनिक ऋण।

7. आर्थिक नीति और नियोजन:

मुख्य विशेषताएं, स्वतंत्रता के बाद से आर्थिक नीति, मिश्रित अर्थव्यवस्था और औद्योगिक नीतियां, नई आर्थिक नीति और विनिवेश नीति, भारत में आर्थिक नियोजन, विकेंद्रीकृत नियोजन, नीति आयोग, राष्ट्रीय विकास परिषद, भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम, प्रकार, विशेषताएं और उनके सापेक्ष समस्या क्षेत्र, उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण (एलपीजी) का प्रभाव।

8. जवाबदेही और नियंत्रण:

प्रशासनिक जवाबदेही और उत्तरदायित्व, प्रशासन पर विधायी, कार्यकारी और न्यायिक नियंत्रण, लोकपाल और लोकायुक्त, जन सुनवाई।

9. भारतीय प्रशासन में मुद्दे:

मंत्री-सिविल सेवक संबंध, सामान्य बनाम विशेषज्ञ। नैतिकता, कानून और व्यवस्था प्रशासन, उग्रवाद, आतंकवाद और भ्रष्टाचार से निपटने में केंद्रीय और राज्य एजेंसियों की भूमिका, साइबर अपराध, भारत में प्रशासनिक सुधार, मुद्दे और समस्याएं, नागरिक चार्टर, सेवा वितरण, सूचना का अधिकार, नागरिक समाज की भूमिका।

10. सामाजिक प्रशासन :

समाज कल्याण और सामाजिक न्याय, सामाजिक परिवर्तन, कल्याण बोर्ड- केंद्र और राज्य, प्रमुख क्षेत्र- शिक्षा और स्वास्थ्य, सामाजिक-आर्थिक विकास में गैर-सरकारी संगठनों और स्वयं सहायता समूहों की भूमिका, आरक्षण नीति।